भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

# वानिकी समाचार

मई वर्ष 16 सं. 05 2024

LiFE Lifestyle For Environment

## अनुक्रमणिका


| अनुक्रमणिका | पृ.सं. |
|---|---|
| तकनीकी हस्तांतरण | 01 |
| अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस | 02 |
| मिशन लाईफ | 02 |
| महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण | 03 |
| परामर्शी कार्य | 04 |
| कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें | 04 |
| प्रशिक्षण कार्यक्रम | 05 |
| वन विज्ञान केन्द्र के तहत गतिविधियाँ | 07 |
| समझौता ज्ञापन | 08 |
| प्रकृति कार्यक्रम | 08 |
| जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम | 08 |
| राजभाषा गतिविधि | 10 |
| मानव संसाधन समाचार | 10 |


## तकनीकी हस्तांतरण

- दिनांक 30 मई, 2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान ने संयुक्त रूप से ''तकनीकी हस्तांतरण'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. सुनील नौटियाल, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पंत और डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीड़िया व विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान "चिड़ से ओलियोरेसिन के कुशल उत्पादन के लिए निष्कर्षण तकनीक भीमल रेखा निष्कर्षण के लिए उन्नत तकनीक; और चिड़ से प्रोंतिक रेखा का पृथक्करण" पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिकों द्वारा लगभग 30 कृषकों और महिला हाट संस्थान की महिलाओं के साथ विचार-विमर्श की गई।

गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान में तकनीकी हस्तांतरण पर कार्यशाला

## अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

- दिनांक 22 मई 2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थानों और केन्द्रों में अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया।

## मिशन लाईफ

### भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 27-28 मई, 2024 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित असम में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम मिशन लाईफ के तहत "ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं वमऍकंपोस्टिंग" पर जोरहाट जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 10 इको-क्लबों के 100 छात्रों ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया। उन्हें मिशन लाइफ कार्यक्रम के महत्व के बारे में जागरूक किया गया और पर्यावरण की सूरक्षा और संरक्षण के लिए सतत् जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

**10 इको-क्लबों के छात्रों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं वर्मीकंपोस्टिंग पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया**

- दिनांक 22 मई 2024 को टियोक गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, टियोक, जोरहाट की छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्हें मिशन लाईफ के बारे में जागरूक किया गया।

**टियोक गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, टियोक, जोरहाट की छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया**

**भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून**

- भा.वा.अ.शि.प.- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 16 मई 2024 को ''ई-कचरा एवं प्रबंधन'' विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों और छात्रों सहित 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उन्हें मिशन लाइफ के बारे में जागरूक किया गया।

**भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने 'ई–कचरा एवं इसका प्रबंधन' पर कार्यशाला का आयोजन किया**

**भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधापूर**

- भा.वा.अ.शि.प.- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 30 मई 2024 को पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, नंबर 2, जोधपुर में मिशन लाइफ के तहत ''वृक्षारोपण और जैव विविधता संवर्धन अभियान'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में शिक्षकों सहित लगभग 550 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्रों को पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण पर व्याख्यान दिया गया।

**भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 'वृक्षरोपण और जैव विविधता संवर्धन अभियान' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया**

## महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण

**भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून**

- उत्तरी भारत के शिवालिक क्षेत्र में *हेटेरोसेरा* (पतंगों) की प्रजाति विविधता के आंकलन और डेटाबेस विकास के तहत, पतंगों को प्रजाति स्तर तक एकत्रित किया गया और उनकी पहचान की गई और उत्तरी भारत के शिवालिक क्षेत्र के पतंगों पर डेटाबेस को अद्यतन करते हुए संख्या को 385 तक बढ़ाया गया। सभी नमूनों का डिजिटलीकरण किया गया।
- *सुगा डुमोसा, अल्बिजिया ओडोरैटिसिमा, टूना सिनेंसिस* और *टेरोस्पर्मम एसेरीफोलियम* के बीजों के पर सफलतापूर्वक संरक्षित किया गया। इन बीजों की अंकुरण क्षमता को 5°C और 15°C भंडारण तापमानों पर बढ़ाया गया। टूना साइनेंसिस का अंकुरण दर 12 महीनों में 5°C पर 74% और 15°C पर 66% रही, *टेरोस्पर्मम एसरीफोलियम* के बीजों का अंकुरण दर 21 महीनों में परिवेशीय तापमान पर 90% और 5°C पर 95% रही, *सुगा डुमोसा* के बीजों का अंकुरण दर 12 महीनों में 5°C पर 50% और 15°C पर 40% रही, *अलनस निटिडा* का अंकुरण दर 12 महीनों में 5°C पर 30% और 15°C पर 20% रही और *अल्बिजिया ओडोरैटिसिमा* का अंकुरण दर 27 महीनों में 5°C पर 65% और 15°C पर 20% था। एसर पिक्टम के अत्यधिक निष्क्रिय बीजों की शीत स्तरीकरण और गिबरेलिक एसिड उपचार द्वारा अंकुरण दर को बढ़ाने के लिए पूर्व उपचार विधियों को मानकींत किया गया।
- उत्तर प्रदेश के विभिन्न वन प्रकारों से 13 वन वृक्ष प्रजातियों के बीजों का संग्रहण किया गया। *टैमारिंडस इंडिका, हाइमेनो डिक्टियोनोरिक्सेंस, मेलिना आर्बोरिया, एहरेवेटिया लेविस, फाईकस रिलिजियोसा, डालबर्गिज लैटिफोलिया, थेस्पेसिया पॉपुलनेया, मणिकारा हेक्सेंड्रा, बौहिनिया वेरिएगाटा* और *बॉम्बैक्स सीबा* के ताजे संग्रहीत बीजों पर अंकुरण परीक्षण किए जा रहे हैं। इसके अलावा, 14 वन वृक्ष प्रजातियों के 92 बीज नमूनों को निर्जलीकरण और वैक्यूम सीलिंग के बाद एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के जीन बैंक में जमा किया गया।

- भारत के हिमाचल प्रदेश, कुल्लू के भटकीधार से एकत्रित *ट्रिलियम गोवेनियानम* के राइजोम नमूनों का गुणात्मक रासायनिक प्रोफाइलिंग विश्लेषण की गई (अल्ट्रा हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी-टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री)। इन नमूनों में 15 प्रमुख फाइटोकेमिकल्स की पहचान की गई, जिनमें विविध प्रकार के सैपोनिन्स शामिल थे। इसके साथ ही, ग्रीन केमिस्ट्री दृष्टिकोण से ईडीटीए का उपयोग करके ग्वार गम का क्रॉस-लिंकिंग किया गया।
- उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित टर्मिनलिया अर्जुन की चार आबादियों का एचपीएलसी विश्लेषण किया गया, जो कि मिर्जापुर के मरहान रेंज, चंदौली के चंद्रप्रभा वन्यजीव क्षेत्र, निचलौल रेंज, के महाराजगंज वन प्रभाग, महाराजगंज और उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में स्थित हैं। अर्जुनिक एसिड़ और अर्जुनजेनिनि सामग्री के संबंध में अध्ययन किया गया। वन क्षेत्रों के मार्कर यौगिकों - अर्जुनिक एसिड और अर्जुनजेनिन सामग्री (मिलीग्राम/ग्राम सूखी छाल) के लिए इन आबादियों में अर्जुनिक एसिड और अर्जुनजेनिन की मात्रा क्रमशः 4.4.29±0.27 और 3.08±0.72; 3.91±1.71 और 3.35±0.34; 3.99±0.77 और 3.48±0.45; 2.28±1.01 और 2.03±1.04 निर्धारित की गई।

## परामर्शी कार्य

**भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून**

- एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड की बैलाडीला डिपॉजिट-4 खदान के आस-पास की ट्री-फर्न आवास की सुरक्षित दूरी का निर्धारण हेतु अध्ययन करने के लिए नई परियोजनाएं प्राप्त हुई। इस परियोजना का उद्देश्य खनन गतिविधियों और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आवश्यक सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना है।

## कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें

| | | | |
|---|---|---|---|
| **भा.वा.अ.शि.प.–भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून** | | | |
| 01 | सतत् भू-प्रबंधनः सिद्धांत, अभ्यास एवं अनुप्रयोग | 16 मई 2024 | 52 देशों के 178 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू** | | | |
| 03 | भारत में अग्निरोधी दरवाजे शटरों का उत्पादन एवं परीक्षण | 17 मई 2024 | वैज्ञानिक और उद्योग प्रतिनिधि सहित 50 छात्र |
| **भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** | | | |
| 04 | वनाग्नि एवं प्रबंधन | 30 मई 2024 | वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, शोध कर्मी सहित 48 प्रतिभागी |
| **भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** | | | |
| 05 | कृषि वानिकी अनुसंधान में नवाचार | 31 मई 2024 | वैज्ञानिक, अधिकारी और शोध अध्येता |
| **भा.वा.अ.शि.प.– जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद** | | | |
| 02 | हरित विलायक | 31 मई 2024 | वन जैव विविधता संस्थान के 24 कार्मिक |

भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय ने "सतत् भू–प्रबंधनः सिद्धांत अभ्यास और अनुप्रयोग" पर एक वेबनार आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.–जै.वि.सं., हैदराबाद ने "हरित विलायक" पर एक बैठक आयोजित किया

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

### भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | प्लाईवुड निर्माण | 29 अप्रैल से 03 मई 2024 | सुरत, गुजरात और यमुनानगर, हरियाणा के काष्ठ आधारित उद्योग के प्रतिभागी |
| 02 | एफसीए परियोजनाओं के संचालन हेतु मार्गदर्शक सिंद्धांत" पर प्रशिक्षण का आयोजन | 27 से 31 मई 2024 | 23 भा.वा.से. अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने 'प्लाईवुड निर्माण' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून 'एफसरए परियोतनाओं के संचालन हेतु मार्गदर्शन सिद्धांत' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

### भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

| | | | |
|---|---|---|---|
| 03 | पारितंत्र स्वास्थ्य कार्ड की तैयारी | 06 से 08 मई 2024 | भा.वा.अ.शि.प.-बी.आर.सी., आइजॉल में आयोजित प्रशिक्षण में 28 भा.व.से. अधिकारियों ने भाग लिया। |
| 04 | अपने परिसर में बांस प्रसार एवं नर्सरी प्रबंधन पर विस्तार | 15 मई 2024 | दक्षिण त्रिपुरा, सिपाहीजाला, खोवाई और पश्चिम त्रिपुरा जिलों के विभिन्न इलाकों से 19 महिलाओं सहित 22 स्वयं सहायता समूहों के सदस्य |

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 'पारितंत्र स्वास्थ कार्ड की तैयारी' पर एक पशिक्षण का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 'अपने परिसर में बांस प्रसार एवं नर्सरी प्रबंधन विस्तार' पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया

### भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 05 | पोषण प्रबंधन हेतु मृदा एवं पादप विश्लेषण | 06 से 10 मई 2024 | युवक क्षेत्र इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पलक्कड़ के 20 छात्र |

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने ''पोषण प्रबंधन हेतु मृदा एवं पादप विश्लेषण'' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

## भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

| | | | |
|---|---|---|---|
| 06 | काष्ठ के माध्यम से सतत् विनिर्माण विकास | 20 से 24 मई 2024 | विभिन्न राज्य वन विभाग के 17 भा.व.से. अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू ने 'काष्ठ के माध्यम से सतत् विनिर्माण विकास' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

| | | | |
|---|---|---|---|
| 07 | पादप ऊतक संवर्धनः परिचय, तकनीकियां एवं अनुप्रयोग | 01 मई 2024 | 15 छात्र |
| 08 | चंदन काष्ठः परिचय, प्रयोग एवं प्रसार और चंदन काष्ठ हेतु 'ऊतक संवर्धन तकनीकियां | 03 मई 2024 | 15 छात्र |

## भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधिय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 09 | मध्य भारत के विभिन्न वन प्रकारों से चयनित वानिकी प्रजातियों के बीज और नर्सरी तकनीक | 17 मई 2024 | मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के 31 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी |
| 10 | पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग | 28 मई 2024 | छिंदवाड़ा, सिवनी, बेताल और होशंगाबाद क्षेत्र के वन प्रभागों से डिप्टी रेंजर्स समेत 70 रेंजर्स |

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 'बीज और नर्सरी तकनीक' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर ने "पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिय मृदा स्वास्थ कार्ड का उपयोग" पर पशिक्षण का आयोजन किया

## भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

| | | | |
|---|---|---|---|
| 11 | वन क्षेत्रों में मृदा नमूना चयनें | 09 मई 2024 | टी.एस.एफ.डी.सी.एल. के 65 वन अधिकारी |

भा.वा.अ.शि.प.–जै.वि.सं., हैदराबाद ने 'वन क्षेत्रों के मृदा नमूना चयन' पर पशिक्षण का आयोजन किया

## भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12 | निम्नीकृत पहाड़ों का पुनःरूद्धार | 22 मई 2024 | लूनावास, भाकर और जोधपुर के कृषक |

## वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियां

### भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हरिपुर कुल्लू के छात्रों ने 4 मई, 2024 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख, कुल्लू का दौरा किया। उन्हें औषधीय पादपों यथाः पोडोफाइलम हेक्सांड्रम (वन ककड़ी), पिक्रोरिहिज़ा कुरोआ (काडू), वेलेरियाना जटामांसी (निहानी) और एंजेलिका ग्लौका (चोरा) की पहचान, महत्व और उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई।

सरकारी उच्च माध्यामिक विद्यालय, हरिपुर कुल्लू के छात्रों ने वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख, कुल्लू का दौरा किया

**भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर**

- वीवीके चंद्रपुर वन अकादमी के नोडल अधिकारी और प्रभागीय वन अधिकारी सहित 20 प्रतिभागियों ने दिनांक 9-10 मई, 2024 को उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में स्थापित क्षेत्र परीक्षण स्थलों का दौरा किया।

**वीवीके चंद्रपुर वन अकादमी के नोडल अधिकारी ने प्रभागीय वन अधिकारी के साथ भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया**

## समझौता ज्ञापन

- दिनांक 17 मई, 2024 को “गैर-काष्ठ वन उत्पादों (एनटीएफपी) का आंकलन” परियोजना के तहत गतिविधियों के निष्पादन के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक और आर्थिक सलाहकार, आर्थिकी और सांख्यिकी विभाग हिमाचल प्रदेश के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

## प्रकृति कार्यक्रम

**भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर**

- भा.वा.अ.शि.प.-शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने दिनांक 15 मई, 2024 को ऑर्किड सेंट्रल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कुड़ी, जोधपुर में प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं, 11वीं और 12वीं के लगभग 80 छात्रों ने प्रतिभाग किया। छात्रों को पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण पर व्याख्यान दिया गया और उन्हें अधिक मात्रा में वृक्षारोपण करने तथा जल और मृदा संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया।

**ऑर्किड सेंट्रल स्कूल अहफ एक्सीलेंस, कुड़ी, जोधपुर के 80 छात्रों के एक समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।**

**भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर**

- सेंट जोसेफ मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, ओंदीपुदुर के 52 छात्रों के एक समूह ने अपने शिक्षकों के साथ 21 मई, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया। छात्रों को उर्वरक पर व्याख्यान भी दिया गया।

**सेंट जोसेफ मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, ओंडिपुदुर के 52 छात्रों के एक समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया**

**भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट**

- दिनांक 10, 13 और 27 मई, 2024 को मरियनी हाई स्कूल, जोरहाट, जवाहरलाल नेहरू हाई स्कूल, कोमार खार्तोवाल और करंगा गजपुरिया हाई स्कूल, करंगा, जोरहाट के 108 छात्रों ने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया। उन्हें संस्थानों की अनुसंधान और विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

**मरियनी हाई स्कूल, जोरहाट के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया**

## जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

**भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुंवशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर**

- अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान महिला महाविद्यालय के 88 छात्रों के एक समूह ने अपने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 3 मई, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा

किया। छात्रों को जैव-उर्वरक और खाद्य विज्ञान एवं पर्यावरण पर व्याख्यान भी दिए गए।

**अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.– व.आ.वृ.प्र., कोयंबटूर का दौरा किया**

**भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरू**

- तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबटूर के 34 प्रशिक्षु आरएफओ ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 29 मई 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, ज़ाइलेरियम, नर्सरी, काष्ठ वर्कशॉप, उन्नत काष्ठकारी प्रशिक्षण केंद्र और काशठ संग्राहलय का दौरा किया। उन्हें काष्ठ के गुणों एवं प्रसंस्करण और चंदन काष्ठ कृषि और इसकी संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

**तमिलनाडु वन अकादमी, कोयंबटूर के 34 प्रशिक्षु आर.एफ.ओ. ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू का दौरा किया**

**भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट**

- मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के पत्रकारों, स्वयं सहायता समूह (एनजीओ) के सदस्यों और गांव के स्वयंसेवकों सहित 11 वन अधिकारियों ने दिनांक 27 मई, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया। उन्हें आजीविका सृजन के लिए बांस आधारित उद्यमिता विकास के बारे में जागरूक किया गया और बांस प्रसार विधि पर व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

**मणिपुर के वन अधिकारियों, पत्रकारों, स्वंय सहायता समूह (एनजीयो) और ग्राम स्वयंसेवको ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया**

**भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर**

- दिनांक 14 मई, 2024 को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश के 7 प्रतिभागियों ने भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संग्रहालय-सह-व्याख्यान केंद्र में प्रदर्शित उ.व.अ.सं. तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई।

- लखनाडौन, सिवनी मध्य प्रदेश के 34 आरएफ़ओ के एक समूह ने दिनांक 26 मई, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में एक शैक्षिक दौरा किया और उ.व.अ.सं., जबलपुर के वन पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन प्रभाग, कीट प्रबंधन प्रयोगशाला और वन संग्रहालय का भी दौरा किया।

**लखनाडौन, सिवनी, मध्यप्रदेश के 34 आरएफओ ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया**

- मध्य प्रदेश कैडर (2022-2024 बैच) के 17 नए भा.व.से. अधिकारियों ने दिनांक 30 मई 2024 को भा.वा.अ.शि.प. -उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें उ.व.अ.सं., तकनीकियों के बारे में जानकारी दी गई।

मध्यप्रदेश कैडर(2022–2024 बैच) के 17 नए भा.व.से. अधिकारियों ने दिनांक 30 मई 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

**भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद**

- अनुसंधान और शिक्षा के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण गैर सरकारी संगठन के प्रतिभागियों के एक समूह ने दिनांक 15 मई, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.-तटीय पारितंत्र केंद्र का दौरा किया। उन्हें केंद्र और केंद्र में किए गए अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

## राजभाषा गतिविधि

- भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय और भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के सौजन्य से भा.वा.अ.शि.प. -वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में दिनांक 27 से 29 मई, 2024 तक ”कंठस्थ अनुवाद टूल“ पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार.), भा.वा.अ. शि.प., और श्री आर. आनंद, कुलसचिव, व.अ.सं. ने किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून और भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय के 39 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय और भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने संयुक्त रूप से ”कंठस्थ अनुवाद टूल“ पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया

## मानव संसाधन समाचार

### सेवानिवृति

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री एल. मनीमुथ्थु, मु.त.अ., भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर | 31.05.2024 |
| श्री मनोरंजन दास, अवर सचिव भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट | 31.05.2024 |
| श्री लखी राम जोशी, अवर सचिव भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) | 31.05.2024 |

### प्रत्यावर्तन

| अधिकारी का नाम | दिनांक |
|---|---|
| श्री एस. के. थॉमस, वन संरक्षक भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून | 14.05.2024 |

**संरक्षकः**
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
**संपादक मंडलः**
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य
**हिन्दी संस्करणः**
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
**सहायकः**
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

**प्रत्याख्यानः**
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।